निबंधन संख्या - 927/08-09

दूरभाष :: 0651-3512271
2251008

विद्या विकास समिति, झारखण्ड

(विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबद्ध)

शुक्ला कॉलोनी, हिनू, पत्रालय-डोरण्डा, जिला-राँची, पिन-834002

E-mail - vvs.jharkhand@yahoo.com **Web** - https://vvsjharkhand.org

पत्रक क्र. : 19/2025-26 (फाल्गुन शुक्ल १० वि.सं. २०८२ युगाब्द ५१२७) दिनांक : 26/02/2026

मान्यवर/मान्या,

सादर नमस्कार/जोहार।

अपना देश विविधताओं से भरा है। यहाँ जलवायु से लेकर रीति-रिवाज, खान-पान, रहन-सहन, पानी-वाणी में विविधताओं का दर्शन होता है। विविधता में एकता ही हमारी विशेषता है। गुलाबी मौसम है, बसंत की बहार है और सामने होली का त्योहार है। प्रकृति नव-पल्लव से अपने-आप को सजा रही है, निखार रही है। हम भी अपने-आपको, अपने संस्थान और अपने परिसर को नवीन ऊर्जा नये कलेवर के साथ नवीन सत्र के स्वागत हेतु तत्पर हों, यही अपेक्षा है।

पुनः एक बार संपन्न कार्यक्रम पर संक्षिप्त दृष्टिपात करते हुए आगामी कार्यक्रम और योजना को सफलता के सोपान तक पहुँचाने हेतु गीत की इन पंक्तियों से प्रेरणा प्राप्त करें -

अब जाग उठो, कमर कसो मंजिल की राह बुलाती है,
ललकार रही हमको दुनियाँ, भेरी आवाज लगाती है।
है ध्येय हमारा दूर सही पर साहस भी तो क्या कम है,
हम राह अनेको साथी हैं कदमों में अंगद का दम है।

संपन्न कार्यक्रम

1. समर्पण पखवाड़ा

प्रांतीय योजनानुसार दिनांक 16 से 31 जनवरी 2026 तक सभी विद्यालयों में समर्पण पखवाड़ा का आयोजन हुआ होगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से हम बच्चों में संवेदनशीलता और समाज के प्रति समर्पण का भाव जागृत करते हैं। इसके माध्यम से जो धन संग्रह होता है उससे वंचित और उपेक्षित समाज के बीच शिक्षा और संस्कार देने का पवित्र कार्य किया जाता है। आग्रह है कि जो भी राशि संग्रह हुआ होगा, कृपया शीघ्र संदर्भित खाते में जमा कराएँ।

2. अखिल भारतीय प्रचार, अभिलेखागार एवं संपादकों की बैठक

यह बैठक आदित्य प्रकाश जालान टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, कुदलुम, राँची में दिनांक 04 एवं 05 जनवरी 2026 को संपन्न हुआ। बैठक में प्रचार विभाग के 54, अभिलेखागार के 39 तथा 09 संपादक उपस्थित थे। अखिल भारतीय महामंत्री, राष्ट्रीय संगठन मंत्री एवं राष्ट्रीय मंत्री श्री ब्रह्माजी राव के अलावे प्रांत एवं क्षेत्र के कई अधिकारी पूरे समय उपस्थित रहे।

प्रांत के ऐसे विद्यालय जिन्होंने अपने विद्यालय के बढ़ते चरण (अभिलेखागार के विद्यालय का साहित्य) प्रांत नहीं भेजा है, भेज दें। अभिलेख संग्रहण एवं लेखक का कार्य चल रहा है।

3. बसंत पंचमी

यह भारत का सांस्कृतिक और आध्यात्मिक उत्सव है। सभी विद्यालयों में विद्या की अधिष्ठात्री देवी

माँ सरस्वती की पूजा-अर्चना होती है। अपने विद्यालयों में इस दिन अक्षरारंभ का भी कार्यक्रम होता है। 23 जनवरी को हम सब इस उत्सव को मनाएँ हैं।

4. गणतंत्र दिवस

26 जनवरी को अपना यह राष्ट्रीय उत्सव मनाया जाता है। इस असवर पर साहसिक और रंगमंचीय कार्यक्रम सभी विद्यालयों में संपन्न हुआ है।

5. संत रविदास जयंती

महापुरुषों के जीवन चरित्र से हम प्रेरणा प्राप्त करते हैं। संत रविदास जी का जीवन चरित्र भी हमारे लिए प्रेरणा पूंज है। अपने धर्म और संस्कृति के प्रति उनका लगाव और समर्पण एक उत्कृष्ट उदाहरण है। 01 फरवरी को यह कार्यक्रम सभी विद्यालयों में संपन्न हुआ है।

6. प्रधानाचार्य सम्मेलन

प्रति वर्ष हम यह सम्मेलन अपने कार्य की समीक्षा और आगामी सत्र की योजना हेतु करते हैं। इस वर्ष यह सम्मेलन इन्दुमति टिबड़ेवाल सरस्वती विद्या मंदिर, चतरा में दिनांक 28 से 31 जनवरी 2026 तक संपन्न हुआ है। सम्मेलन में कुल 200 प्रधानाचार्य सहित अतिथि/अधिकारी, पूर्णकालिक, प्रवासी, कार्यालय कार्यकर्ता और व्यवस्थापक को लेकर कुल 356 लोगों की सहभागिता रही। अच्छी व्यवस्था और सकारात्मक वातावरण में सम्मेलन संपन्न हुआ, इस हेतु विद्यालय परिवार को साधुवाद।

7. अखिल भारतीय अधिकारी प्रवास

अखिल भारतीय योजनानुसार प्रतिवर्ष जिला केन्द्र के विद्यालय पर अखिल भारतीय अधिकारी का प्रवास होता है। इस वर्ष सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बरगंडा, गिरिडीह में अपने अखिल भारतीय मंत्री श्री ब्रह्माजी राव का प्रवास दिनांक 03 एवं 04 फरवरी 2026 को हुआ। उनके प्रवास के क्रम में 05 से 08 फरवरी 2026 के मध्य प्रांतीय समिति, प्रांतीय विषय प्रमुख एवं सह-प्रमुख तथा जिला केन्द्र के अपेक्षित अधिकारियों के साथ विभिन्न सत्रों में बैठक कुदलुम, राँची में संपन्न हुई है।

8. सप्तशक्ति संगम समापन समारोह

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर अखिल भरतीय योजनानुसार दिनांक 05 अक्टूबर 2025 (रानी दुर्गावती जयंती) से 19 फरवरी 2026 (छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती) तक अपने प्रांत में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ है। इसका समापन समारोह 13 फरवरी 2026 को सरला बिरला विश्वविद्यालय परिसर में भव्य रूप से मनाया गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्र सेविका समिति की सह-कार्यवाहिका बहन सुनीता हल्देकर सहित तीन पद्मश्री प्राप्त मातृशक्ति को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अनेक समाज सेविका बहनों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम आनंददायक और उत्साहजनक रहा।

9. संपन्न एवं प्रेषित विषय बिन्दु

- प्रतिभा चयन और खोज प्रतियोगिता।
- विद्यालय का वृत्त ऑनलाईन करना।
- खुदीराम बोस फिल्म को देखना और दिखाना।
- मोबाईल फोन की लत से छुटकारा।
- वार्षिक परीक्षा समय सारणी।

आगामी कार्यक्रम

1. वार्षिक परीक्षा

सत्र 2025-26 की वार्षिक परीक्षा समय सारणी सभी विद्यालयों को प्रेषित किया गया है। इसी समय बोर्ड परीक्षा (सीबीएसई, जैक) होने के कारण कुछ कठिनाई हुई है, किन्तु हमसब प्रयासपूर्वक एवं सम्यक योजना से अपनी परीक्षा ससमय एवं शूचितापूर्ण संपादित करेंगे। परीक्षा परिणाम बनाते समय सावधानी रखने की आवश्यकता है जिससे भैया-बहनों के साथ न्याय हो। प्रथम से तृतीय स्थान लाने वालों की कॉपी का पुनर्मूल्यांकन करना ही चाहिए। परिणाम विषयाचार्य जी का भी निकालना है साथ ही प्रधानाचार्य जी का भी परिणाम निकले, यही उत्तम माना जाएगा। परीक्षा परिणाम घोषणा की तिथि की जानकारी अपने निरीक्षक जी को अवश्य दें।

2. वर्ष प्रतिपदा उत्सव

भारतीय नववर्ष, डा. केशव बलिराम हेडगेवार जी की जयंती यानी नव संवत्सर का प्रारंभ 19 मार्च 2026 से होगा। इस अवसर पर नववर्ष का कार्यक्रम करना, प्रभात फेरी निकालना, अपने-अपने घरों में दीपक जलाना, भगवा ध्वज लगाना, शुभकामना संदेश मौखिक, लिखित किसी भी माध्यम से भेजना/देना अपेक्षित है।

3. सप्तशक्ति संगम का वृत्त प्रेषण

सभी विद्यालयों में मातृशक्ति जागरण हेतु सप्तशक्ति संगम का कार्यक्रम उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ है। अखिल भारतीय स्तर पर संगम का वृत्त प्रेषण करना है। संगम की पुस्तिका भी छपने वाली है। अतएव निम्नलिखित जानकारी 07 मार्च 2026 तक अनिवार्य रूप से अपने विभाग संयोजिका के माध्यम से प्रांत पहुँच जाए। संगम का अनुभव कथन, समाचार पत्र का कतरन, फोटो, विडियो और कार्यक्रम का वृत्त इत्यादि प्रेषित करना है और इसकी प्रति विद्यालय में भी रखना है।

4. आचार्य चयन परीक्षा

विद्यालयों में आचार्य आवश्यकता की पूर्ति हेतु 22 मार्च 2026 को आचार्य चयन परीक्षा-2026 की लिखित परीक्षा की तिथि निर्धारित है। प्रांत द्वारा निर्धारित केन्द्रों पर यह परीक्षा होगी। जिस केन्द्र पर परीक्षा आयोजित होगी, इसकी सूचना पर्याप्त समय पूर्व उन्हें दे दी जाएगी। तद्नुरूप संख्या को ध्यान में रखते इसकी व्यवस्था करेंगे। परिणाम प्रकाशित होने के उपरांत प्रतिभागी मौखिक परीक्षा हेतु अपना बुलावा पत्र वेबसाईट से डाउनलोड कर सकेंगे।

5. वार्षिक आचार्य कार्यशाला

वार्षिक कार्य-योजना में वर्णित समय और विषय बिन्दु के अनुसार मार्च 2026 के अंतिम सप्ताह में तीन दिवसीय आचार्य कार्यशाला का आयोजना करना है। पूर्व एवं पूर्ण तैयारी के साथ कार्यशाला का आयोजन हो। आगामी सत्र की वार्षिक कार्ययोजना में संख्यात्मक, गुणात्मक, भौतिक विकास की योजना बने। अपने विद्यालय का अनुशासन पक्ष, वेश, समय पालन, परीक्षा/प्रतियोगिता परिणाम श्रेष्ठ हो, यानी कुल मिलाकर विद्यालय का चहुमुखी विकास की योजना बने। वार्षिक कार्ययोजना की एक प्रति प्रांत भी प्रेषित करें। कार्यशाला का पाठ्यक्रम एवं समय-सारणी संलग्न कर प्रेषित है।

6. स्वास्थ्य परीक्षण

सभी विद्यालयों को योजना बनाकर विद्यालय में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजना करना अनिवार्य

है। अपना विद्यालय सामाजिक चेतना का केन्द्र बने इस हेतु इस शिविर में बच्चों सहित समाज के लोगों का भी स्वास्थ्य जाँच करवाया जाए। शिविर का लिखित विवरण भी रखें। इस कार्य में सरकारी अस्पताल सहित कई सामाजिक संगठन भी सहयोग करते हैं।

7. सेनेटरी पैड

सर्वोच्च न्यायालय ने अपने एक आदेश में निर्देश दिया है कि सभी विद्यालयों में नि:शुल्क सेनेटरी पैड की व्यवस्था रखनी है। अपने विद्यालयों में भी यह व्यवस्था बनी होगी, यदि नहीं बनी है तो अवश्य बनायी जाए।

8. शिक्षक पात्रता परीक्षा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत सभी शिक्षक को शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। अपने विद्यालयों में भी आचार्य/दीदी को राज्य या केन्द्र स्तर की कोई न कोई शिक्षक पात्रता (STET, CTET) परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। सभी विद्यालय अपने स्तर से इसकी सूचना अवश्य प्रेषित करें।

9. सत्रारंभ

अपने विद्यालयों का नवीन वत्र 2026-27 दिनांक 02 अप्रैल 2026 दिन गुरुवार से प्रारंभ हो रहा है। आध्यात्मिक और प्रेरणायुक्त वातावरण में मंगल अनुष्ठान के साथ सभी विद्यालयों में सत्र प्रारंभ हो। संपूर्ण विद्यालय परिसर नवीन स्वरूप में सवच्छ वातावरण एवं उत्साहमय इच्छा शक्ति के साथ इस कार्यक्रम को करें।

10. शारीरिक एवं योग आचार्य प्रशिक्षण वर्ग

दिनांक 08 से 12 अप्रैल 2026 तक प्रांत स्तरीय शारीरिक एवं योग आचार्य का प्रशिक्षण वर्ग आचार्य प्रशिक्षण विद्यालय, कुदलुम, राँची में आयोजित है। दोनों ही विषय केन्द्रीय आधारभूत विषय में आता है। दोनों ही विषय का संबंध हमारे जीवन से जुड़ा हुआ है। शरीर को स्वस्थ रखने हेतु शारीरिक क्रिया-कलाप और मन के निरोग रखने हेतु योग जरूरी है। अतएव प्रत्येक विद्यालय से आचार्य/दीदीजी की सहभागिता सुनिश्चित हो। व्यवस्था शुल्क ₹1,500/- प्रति प्रतिभागी निर्धारित है।

11. विभाग स्तरीय समिति सदस्य सम्मेलन, साहेबगंज विभाग

विद्यालय विकास में स्थानीय प्रबंध समिति के महानुभावों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। प्रांतीय योजना विद्यालयों में प्रभावी रूप से लागू हो और विद्यालय सर्वांगीण विकास के मार्ग पर अग्रसर हो इस हेतु समय-समय पर समिति के लोगों के साथ बैठना अपेक्षित होता है। अतएव साहेबगंज विभाग का समिति सदस्य सम्मेलन 12 अप्रैल 2026 को बाबुलाल नंदलाल बोहरा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, राजमहल में आयोजित है। व्यवस्था शुल्क ₹300/- प्रति प्रतिभागी निर्धारित है।

12. प्रांतीय वंदना सह गीत आचार्य प्रशिक्षण वर्ग, कुदलुम

अपने विद्यालयों में वंदना व्यवस्था और स्वर में एकरूपता हो, साथ ही विद्यालयों में चलने वाले गीत सस्वर हो, इस हेतु वंदना एवं गीत विधा से जुड़े आचार्य/दीदीजी का प्रशिक्षण वर्ग आचार्य प्रशिक्षण विद्यालय, कुदलुम, राँची में आयोजित है। दिनांक 18 से 23 अप्रैल 2026 तक होने वाले इस वर्ग में प्रत्येक विद्यालय से आचार्य/दीदीजी की सहभागिता सुनिश्चित करें।

13. विभाग स्तरीय समिति सदस्य सम्मेलन, देवघर विभाग

देवघर विभाग के समिति सदस्यों का एक दिवसीय सम्मेलन 19 अप्रैल 2026 को उमा नलिनी ब्रह्म सरस्वती विद्या मंदिर, कुण्डा, देवघर में आयोजित है। व्यवस्था शुल्क ₹300/- प्रति प्रतिभागी निर्धारित है।

14. प्रांतीय परीक्षा टोली बैठक

प्रांतीय योजनानुसार परीक्षा व्यवस्था के सफल संचालन हेतु दिनांक 25 अप्रैल 2026 को प्रांतीय परीक्षा टोली की एक दिवसीय बैठक आहूत है। बैठक प्रांतीय कार्यालय में होगी। अपेक्षित लोगों को सूचना भेजी जाएगी। परीक्षा के संदर्भ में कोई सुझाव देना चाहते हैं तो लिखित रूप में अवश्य भेजें।

15. विभाग स्तरीय प्रधानाचार्य बैठक

विद्या भारती योजना में विद्यालय विकास हेतु प्रधानाचार्य की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। प्रधानाचार्य अखिल भारतीय स्तर से विद्यालय स्तर की योजना के क्रियान्वयन के केन्द्र में होते हैं। इस हेतु सत्र के प्रारंभ में ही 26 अप्रैल 2026 को यह बैठक निम्नांकित रूप में आहूत है। व्यवस्था शुल्क ₹300/- प्रति प्रतिभागी निर्धारित है।

विभाग	स्थान
साहेबगंज	देवदांड़, गोड्डा
देवघर	नाला, जामताड़ा
धनबाद	बाघमारा, धनबाद
हजारीबाग	यदुटाँड़, झुमरीतिलैया

विभाग	स्थान
पलामू	श्रीवंशीधर नगर, गढ़वा
गुमला	रायडीह, गुमला
राँची	पतरातू थर्मल, रामगढ़
जमशेदपुर	जैंतगढ़, पश्चिमी सिंहभूम

16. वार्षिकोत्सव

भैया-बहनों में अनेक प्रकार की प्रतिभाएँ अंतर-निहित होती है। उनकी प्रतिभा को उचित अवसर और मंच देना हमारा दायित्व है। इस हेतु प्रत्येक विद्यालय को अपनी क्षमता और व्यवस्था के अनुसार वार्षिकोत्सव का आयोजन करना अपेक्षित है। इस प्रकार के कार्यक्रम से बच्चों का शारीरिक, प्राणिक और मानसिक विकास होता है।

17. अखिल भारतीय बैठक के विषय

अखिल भारतीय बैठक में दो निम्नांकित विषय को विद्यालयों में लागू करने का चिंतन हुआ है-

(क) भारतीय संस्कृति के अनुरूप एवं 'स्व' का बोध कराने की दृष्टि से भैया-बहनों के जन्म दिनांक के साथ ही भारतीय काल गणना की तिथि (विक्रम संवत्) का भी उल्लेख और लेखन हो। इस दृष्टि से विद्यार्थियों की दैनंदिनी एवं अन्य अभिलेखों में इसका प्रावधान किया जाना अपेक्षित है।

(ख) नशामुक्ति हेतु समाज जागरण के लिए अभियान प्रयास/अभिभावक संपर्क एवं प्रबोधन इत्यादि कार्यक्रम की योजना बनाना/करना।

18. अखिल भारतीय पत्रिका की सदस्यता

अखिल भारतीय स्तर पर 'विद्या भारती प्रदीपिका' और 'देवपुत्र' का प्रकाशन होता है। प्रत्येक विद्यालय को इसका आजीवन/वार्षिक सदस्य बनना आवश्यक है। सदस्यता की जानकारी लिखित रूप से प्रांत को भी दें। पूर्व के पत्रक में इसके बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है। अवलोकन किया जा सकता है।

19. मासिक तलपट प्रेषण

सभी विद्यालयों को माह के प्रथम सप्ताह में मासिक तलपट प्रांत प्रेषित करना आवश्यक है। तलपट पर सचिव, कोषाध्यक्ष, प्रधानाचार्य और कार्यालय प्रमुख का हस्ताक्षर अवश्य हो।

20. बजट पारित करना

सभी विद्यालय सत्र 2026-27 का प्रस्तावित अनुमानित बजट बनाकर प्रबंध समिति की बैठक में पारित कराकर एक प्रति प्रांत कार्यालय को अवश्य प्रेषित करें।

21. अंकेक्षण कराना

सभी विद्यालयों को सत्र 2025-26 का आय-व्यय का अंकेक्षण कराना आवश्यक है। अंकेक्षण मई 2026 तक कराकर एक प्रति प्रांत कार्यालय को भी प्रेषित करें।

22. अवकाश सूची के संदर्भ में

प्रांत द्वारा सत्र 2026-27 का अवकाश सूची प्रकाशित किया गया है। किसी कारणवश आवश्यक होने पर घोषित अवकाश की सूची में परिवर्तन करने से पूर्व प्रांत से सहमति/स्वीकृति लिखित रूप में आवश्य प्राप्त कर लें।

23. केन्द्र छोड़ने के संदर्भ में

विद्यालय को सुव्यवस्थित संचालन हेतु आदर्श आचार-व्यवहार की अपेक्षा संगठन अपने कार्यकर्ताओं से करता है। अतएव प्रधानाचार्य किसी काम से केन्द्र छोड़ते हैं तो स्थानीय सचिव एवं अपने निरीक्षक को और प्रभारी प्रधानाचार्य, आचार्य केन्द्र छोड़ते हैं तो अपने प्रधानाचार्य जी को इसकी लिखित सूचना (विशेष परिस्थिति में मौखिक हो सकता है) अवश्य दें, जिससे विद्यालय की दैनिक गतिविधियों के संचालन में सुविधा हो।

इस पत्रक का प्रिंट निकालकर समिति में सबको दें तथा आचार्यों के साथ बैठकर इसे मूर्त रूप दें।

होली एवं नववर्ष की अग्रिम हार्दिक शुभकामनाओं सहित।

।। शेष शुभ ।।

भवदीय

26/02/2026

(नकुल कुमार शर्मा)

प्रदेश सचिव

विद्या विकास समिति, झारखंड